भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 550
गुरुवार, 6 फ़रवरी, 2025/17 माघ, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

क्षेत्रीय संपर्क योजना-उड़ान के अंतर्गत उड़ानें

550. श्री तनुज पुनिया:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या क्षेत्रीय संपर्क योजना-उड़ान के अंतर्गत कई क्षेत्रों में उड़ानों का संचालन बंद कर दिया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी क्षेत्रवार ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
(ग) प्रयागराज, बनारस, अयोध्या और लखनऊ से आने-जाने वाली उड़ानों की संख्या में कितनी कमी की गई है; और

(घ) उक्त उड़ानों का प्रचालन पुन: आरंभ करने की कार्य-योजना का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ): क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) के अंतर्गत 114 आरसीएस मार्ग बंद कर दिए गए हैं। हालांकि, एयरलाइन विफलता जैसे विभिन्न कारणों से पिछले दौर में बंद किए गए पात्र मार्गों पर भी बाद के दौर में फिर से बोली लगाई गई, उन्हें अवार्ड किया गया और प्रचालन आरंभ किया गया।

मार्गों को बंद करने के कारणों में कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न व्यवधान; वैश्विक विमान इंजन संबंधी समस्याओं के कारण कई विमानों का अप्रचालित होना; मौसम संबंधी व्यवधान जैसी कुछ परिचालन संबंधी चुनौतियां; प्रचालन संबंधी चुनौतियां, जैसे कुछ हवाईअड्डों पर स्लॉट की उपलब्धता या एयरलाइन के पास अपेक्षित विमानों की उपलब्धता, एयरलाइंस का बंद होना और कुछ मार्गों पर यात्रियों की कम मांग शामिल हैं।

प्रयागराज, बनारस, अयोध्या और लखनऊ से आने-जाने वाली उड़ानों की संख्या में कमी नहीं की गई है। वास्तव में, महाकुंभ महोत्सव के कारण उड़ान संपर्क में वृद्धि हुई है, जहां जनवरी, 2025 में प्रयागराज के लिए 81 अतिरिक्त नई उड़ानें शुरू की गई हैं।

*****